भारत सरकार
श्रम और रोजगार मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या- 5099
सोमवार, 03 अप्रैल, 2023/13 चैत्र, 1945 (शक)

सीएमआईई के अनुसार बेरोजगारी की दर

5099. डॉ. पोन गौतम सिगामणिः

क्या **श्रम और रोजगार** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सेंटर फॉर मॉनीटरिंग इंडियन इकोनॉमी (सीएमआईई) के अनुसार, फरवरी में बेरोजगारी दर बढ़कर 7.45 प्रतिशत हो गई है, जो पिछले महीने में 7.14 प्रतिशत थी;

(ख) क्या यह भी सच है कि शहरी बेरोजगारी दर फरवरी में घटकर 7.93 प्रतिशत रह गई, जो पिछले महीने में 8.55 प्रतिशत थी;

(ग) क्या इसी माह में ग्रामीण बेरोजगारी दर 6.48 प्रतिशत से बढ़कर 7.23 प्रतिशत हो गई है; और

(घ) देश में बेरोजगारी दर में वृद्धि के क्या कारण हैं?

उत्तर
श्रम और रोजगार राज्य मंत्री
(श्री रामेश्वर तेली)

(क) से (घ): कई निजी कंपनियां/निकाय/अनुसंधान संगठन अपनी कार्यप्रणाली के आधार पर अलग-अलग सर्वेक्षण करते हैं, सीएमआईई उनमें से एक है। रोजगार और बेरोजगारी पर आधिकारिक डेटा, सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआई) द्वारा वर्ष 2017-18 से करवाए जा रहे आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) से प्राप्त होता है। सर्वेक्षण अवधि जुलाई से अगले वर्ष जून तक होती है। ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों के लिए अखिल भारतीय स्तर पर पीएलएफएस आंकड़े वार्षिक आधार पर उपलब्ध है।

उपलब्ध नवीनंतम वार्षिक पीएलएफएस रिपोर्टों के अनुसार, वर्ष 2019-20 से वर्ष 2021-22 के दौरान सामान्य स्थिति के आधार पर ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के व्यक्तियों की अनुमानित बेरोजगारी दर (यूआर) इस प्रकार हैः

वर्ष	बेरोजगारी दर (यूआर) (% में)
ग्रामीण	
2019-20	3.9
2020-21	3.3
2021-22	3.2
शहरी	
2019-20	6.9
2020-21	6.7
2021-22	6.3
अखिल भारत	
2019-20	4.8
2020-21	4.2
2021-22	4.1

स्रोतः पीएलएफएस, एमओएसपीआई

उपरोक्त आंकड़े ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में बेरोजगारी में कमी को दर्शाते हैं।

*****